कुमार जीवन - 16

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **दिलवाला मन्दिर है तपस्वी कुमार और तपस्वी कुमारियों का यादगार। और सदैव नशे में स्थित रहने का यादगार कौन-सा है? अचलघर।** सदैव उस नशे में रहने से अचल, अड़ोल बन जायेंगे। फिर माया संकल्प रूप में भी हिला नहीं सकती। ऐसे अचल बन जायेंगे। **यादगार है ना कि रावण सम्प्रदाय ने पांव हिलाने की कोशिश की लेकिन जरा भी हिला न सके।** ऐसा नशा रहता है कि यह हमारा यादगार है या समझते हो कि यह बड़े-बड़े महारथियों का यादगार है?

➳ _ ➳ **यह मेरा यादगार हैं - ऐसा निश्चय बुद्धि बनने से विजय अवश्य प्राप्त हो जाती है।** यह कभी भी नहीं सोचो कि यह कोई और महारथियों का है, हम तो पुरुषार्थी हैं। **अगर निश्चय में, स्वरूप की स्मृति में ही कमज़ोरी होगी तो कर्म में भी कमजोरी आ जायेगी। तो सदैव हर संकल्प निश्चयबुद्धि का होना चाहिए। कर्म करने के पहले यह निश्चय करो कि विजय तो हमारी हुई पड़ी है। अनेक कल्प विजयी बने हो। जब अनेक कल्प, अनेक बार विजयी बन विजय माला में पिरोने वाले, पूजन होने वाले बने हो तो अब वह रिपीट नहीं करेंगे? वही बना हुआ कर्म दुबारा रिपीट करना है। इसलिए कहा जाता है कि बना बनाया....। बना हुआ है लेकिन अब फिर से रिपीट कर "बना बनाया" जो कहावत है उसको पूरा करना है।**

➳ _ ➳ **जब निश्चय हो जाता है कि मैं यह हूँ वा यह मुझे करना ही है, मैं कर सकता हूँ तब वह नशा चढ़ता है। निश्चय नहीं तो नशा भी नहीं चढ़ता और निश्चय है तो नशे की स्थिति के सागर में लहराते रहेंगे।** ऐसे स्थिति का अनुभवी मूर्त जब बन जायेंगे तो आपकी मूर्त से सिखलाने वाले की सूरत दिखाई देगी। तो ऐसे अनुभवीमूर्त हो जो बाप और शिक्षक की सूरत आपकी मूर्त से प्रत्यक्ष हो। ऐसे बने हो वा बन रहे हो?

➳ _ ➳ सफलता के सितारे हो वा उम्मीदवार सितारे हो। सफलता तो जन्मसिद्ध अधिकार है। क्योंकि जब सर्वशक्तिवान कहते हो; तो असफलता का कारण है शक्तिहीनता। शक्ति की कमी के कारण माया से हार खाते हैं। **जब सर्वशक्तिवान बाप की स्मृति में रहते हैं तो सर्वशक्तिवान के बच्चे होने के कारण सफलता तो जन्मसिद्ध अधिकार हो गया। हर सेकेण्ड में सफलता समाई हुई होनी चाहिए। असफलता के दिन समाप्त। अब सफलता हमारा नारा है - यह स्मृति में रखो। (24-05-1971)**

➢➢ सफलता कब होगी

➳ _ ➳ जब नशा होगा... और नशा तब होगा

→ जब निश्चय होगा

■ लोकिक में किसी बड़े बाप के बेटे... कोई गलत कार्य भी कितना निडर होकर करते हैं...

▶ तो फिर हम सर्वशक्तिमान के बच्चे सही कार्य करते हुए भी क्यों डगमगा जाते हैं ?

➢➢ निश्चय तीन प्रकार से होता है

➳ _ ➳ बाबा ने कहा और मान लिया

→ इसका फल सबसे ज्यादा शक्तिशाली होता है

➳ _ ➳ बाबा ने कहा और फिर महारथियों के अनुभव सुने और मान लिया

➳ _ ➳ बाबा ने कहा, महारथियों के अनुभव सुने, परिस्थिति आई और फिर जाकर माना

➢➢ निश्चय न होने का कारण

➳ _ ➳ ज्ञान स्पष्ट नहीं है

➳ _ ➳ Waste Thought चलते हैं

➳ _ ➳ अनुभूति नहीं होती

➢➢ निश्चय कैसे बढायें ?

➳ _ ➳ ज्ञान की गहराई में जाओ

➳ _ ➳ दादियों, मम्मा, बाबा और महारथियों के अनुभवों से , उनकी जीवन कहानी से सीखो